गरिमा के साथ आगे का मार्ग प्रशस्त है

गरिमा गुंज के सिद्धांतो का केंद्र है| गरिमा के साथ जीने के अधिकार इसी दृष्टिकोण के साथ लोगों को चुनाव करने की शक्ति देने के लिए हमने अपनी पहल डिग्निटी फॉर वर्क (Dignity for work) **की शुरुआत की।**

स्थानीय ज्ञान , संसाधनों और लोगों की कड़ी मेहनत के प्रयासों के लि उन्हें भेट के रूप में राशन, टॉयलेटरीज़, पैड एवम अन्य आवश्यक वस्तुओं के साथ पुरस्कृत किया जाता है जिनकी उन्हें बिना पैसे के विनिमय की आवश्यकता हो सकती है। ये विकल्प उन्हें बुनियादी ढांचे के निर्माण में मदद करते हैं तथा स्वच्छ पानी, स्वच्छता, सड़क, विद्यालय आदी आवश्यकताओं को पूरा करने एवम नकारात्मक मुद्दों को दूर करने में उनकी सहायता करते हैं इसे परिप्रेक्ष्य में रखने के लिए हम अपने कुछ काम जो की डिग्निटी फॉर वर्क (Dignity for work) **की पहल के अन्तर्गत किए है और लोगों के जीवन को छूना कैसे संभव है यह साझा कर रहे हैं सभी के लिए एक अच्छी खबर गूंज विश्व स्तर पर** 286 **संगठनों में से एक है जिसे जमीन पर अपना काम जारी रखने के लिए प्रतिष्ठित मैकेन्जि स्कॉट उपहार मिला है। हमारे साथ खड़े होने के लिए धन्यवाद|**

हम यहां हैं...आपकी भी जरुरत है...

मुख्य बिंदु

- **27 राज्यो एवम् केंद्र शासित प्रदेशों में**
- **12.30 मिलियन टन राशन एवम् अन्य जरूरत कि चीजे पहुंचाई**
- **305,000किलोग्राम ताजा फल एवम् सब्जियां पहुंचाई**
- **1.25 मिलियन मास्क**
- **1.55 मिलियन सैनिटरी नैपकिन**
- **चिकित्सा संबंधी-**
- **पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर/ सानद्रक**

पहुंच और बुनियादी ढांचा

कैसे-
विविध गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय बुनियादी ढांचे के निर्माण, पुनर्निर्माण के लिए कार्य करना।

क्या -
भारत के दूर-दराज के गांवों में उपेक्षित मुद्दों को संबोधित करना जैसे कि पालघर महाराष्ट्र में प्रतीक्षालय की कमी के कारण खराब मौसम में भी लोगो को बस का इंतजार करने के लिए मौसम की स्थिति का सामना करना पड़ रहा था।

कब-
बस में चढ़ने के लिए समुदाय को किसी भी सामान्य दिन में एक घंटे या उससे अधिक समय तक खड़ा रहना पड़ता है, गुंज टीम ने उनके मिलकर प्रतीक्षालय बनाने का निर्णय लिया और उनको बांस की लकड़ी, तारपोलिन व अन्य आवशयक सामाग्री उपलब्ध कराई जिससे प्रतिक्षलाय बनना सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा-
स्थानीय ज्ञान एवम संसाधनों के माध्यम से 3 दिनों में 10*8 फीट शेड ग्रामीणों के लिए बनाया गया ।
जिसमें बुनियादी सुविधाओं की गतिविधियों को शामिल किया गया था, जिसमें सामुदायिक भवन, पुल, आदि क्षेत्रों में उपलब्ध प्राकृतिक सामग्री के माध्यम से बनाया गया।

<u>पानी</u>

कैसे-

तालाबों, झीलों, चेक डैम जैसे पहले से मौजूद स्थानीय जल निकायों को स्थानीय संसाधनों और ज्ञान के माध्यम से वापस जीवन में लाना तथा नए पहुंच बिंदु जैसे कुएं और सिंचाई नहर का निर्माण किया ।

कहा-

हमारा कार्य कश्मीर की झीलों से लेकर बुंदेलखंड के कुओं तक फैला हुआ है यह गतिविधि केंद्रपाड़ा, जिले ओडिशा में हुई

क्या-

पानी की उपलब्धता सीधे गरीबी से जुड़ी हुई है और ग्रामीण समुदायों की भलाई से जुड़ी हुई हैं इस क्षेत्र में पीने के पानी की एक बड़ी कमी थी, नदी पीने योग्य पानी का एकमात्र स्रोत था, इसी कारण पानी की पहुंच बढ़ाने के लिए पहले से मौजूद तालाब को साफ किया गया और जिससे उनमें पानी इकट्ठा कर सके और नियमित घरेलू काम के लिए इस्तेमाल कर सके।

इसके अलावा-

जहां कहीं भी जल निकाय प्रदूषित हैं या उन जगहों पर कमी है जहां आसान पहुंच की आवश्यकता है वहा मुद्दों की पहचान की गई है और समाधान तैयार किए गए हैं।

<u>स्वच्छता</u>

क्या-

शौचालयों , निजी स्थिती में स्नानघर और ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्वच्छता सुविधाओं की बेहतर उपलब्धि साझा करना।

क्यो-

इसका लोगों के स्वास्थ्य और भलाई पर सीधा प्रभाव पड़ता है, इसका मतलब है कि बेहतर पोषण और बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता को कम करना| लातूर महाराष्ट्र में सीवेज और गंदगी के साथ बहने वाली नालियां एक अस्वच्छ वातावरण पैदा कर रही थीं जिससे बच्चों में बीमारी हो रही थी यह भारत के कई हिस्सों में आम है।

कैसे-

व्यक्तिगत घरों के बाहर सोख्ता गड्ढों के निर्माण से इन समस्याओं को कम किया और अब घर के आसपास के क्षेत्र स्वच्छ और बीमारी मुक्त हैं। इसी तरह शौचालय की कमी जैसे अन्य मुद्दों पर भी जागरूक किया जाता है।

इसके अलावा-

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और लड़कियों के लिए सम्मानजनक, सुरक्षित स्थान बनाने के तरीके खोजने पर कार्य कर रहे हैं । महिलाएं, शौचालय और स्नानघर के निर्माण में बढ-चढ़कर हिस्सा लेती हैं ,क्योंकि यह उन्हें मासिक धर्म के दौरान उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, भलाई और गरिमा के बारे में निर्णय लेने की आवाज देती है।

कृषि

क्या-

रसोई/ समुदाय उद्यान, वृक्षारोपण आदि समुदाय के पोषण तत्वों के भाग में सुधार के लिए ।

कैसे-

शुरू करने के लिए आवश्यक बीज और अन्य उपकरणों के रूप में प्रारंभिक सहायता गूंज और स्थानीय सहयोगी संगठन जैसे गजपति ,ओडिशा द्वारा उन तक पहुंचाई जाती है जहां बीज और अन्य आवश्यक वस्तुए प्रदान की गयी एवम् समुदाय ने अपनी बुद्धि, स्थान और श्रमदान कर इस कार्य को पूरा किया।

क्यो-

रसोई उद्यान का समुदाय की खाद्य सुरक्षा और बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है, इसी को ध्यान में रखते हुए एक स्कूल परिसर में 50 फीट -10 फीट की जमीन जो की एक कचरा फेकने की भूमि में परिवर्तित हो रही थी जिसका उपयोग एक किचन गार्डन बनाने के लिए किया गया।

इसके अलावा-

इस स्थान का निर्माण भूमि के उपयोग को अनुकूलित करना और समुदाय के लिए हरी सब्जियों की उपलब्धता में वृद्धि करना, कुछ मामलों में वे आजीविका के अवसर भी पैदा करते हैं और समुदाय की भावना को बढ़ावा देते हैं.

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन

क्या-

Not Just a piece of cloth (NJPC) के माध्यम से हम चुप्पी तोड़ो बैठक आयोजित करते हैं जहां मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन समाधान पर चर्चा और इसके लिए कार्रवाई की जाती है प्रतिभागियों को गूंज द्वारा पैड के साथ डीएफडब्ल्यू(DFW) किट प्राप्त हुई.

कहा-

हमारी गतिविधियाँ पूरे भारत में शहरी और ग्रामीण समुदायों को कवर करती हैं जैसे पुरी ओडिशा में जहाँ महिलाओं ने मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के बारे में अधिक जानने के लिए बैठक में भाग लिया

कैसे-

हम जागरूकता पहुंच और सामर्थ्य के दृष्टिकोण से बड़े पैमाने पर मासिक धर्म के बारे में मिथकों और वर्जनाओं की पर चर्चा करते हैं ।गांव की महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बहुत कम जानकारी थी और उनके पास कोई बंद जगह भी नही थी । प्राकृतिक प्रणाली के उपयोग एवम् संसाधनों के माध्यम से उन्होंने एक चेंजिंग रूम बनाया है जो एक बैठक स्थान के रूप से भी ज्यादा बड़ा है

इसके अलावा-

हमारे साथ साझा किए गए अनुभवों से ये जानकारी प्राप्त हुई की हम उन्हें बंद बाथरूम में निर्माण करने के लिए प्रेरित करने में सक्षम थे और महिलाओं को उनके पीरियड्स को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए मेरे पैड का उपयोग करने की दक्षता के बारे में शिक्षित करने में सक्षम थे

- **कार्य क्षेत्र से जानकारी:**

प्राथमिक सहयोग	**अप्रैल 20 से मार्च 21**	**अप्रैल 21 से जून 21**
राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गयी।	9.4+ **मिलियन**	2.9+ **मिलियन**
परिवारों तक पहुंच	445,000	66,000+
तैयार भोजन चैनलाइज़ किया गया।	360,000+	80,000+
स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल		
फेस मास्क	875,000	370,000
सैनिटरी पैड	1,300,000+	255,000
साझेदारी		
संगठन जिनके साथ हम कार्य कर रहे हैं.	500+	350+
राज्य जिनमे हम कार्य कर रहे हैं.	27	27
किसानो से सीधे तौर से फल और सब्जिया खरीदी गयी।	225000+	80,000+

- **कुल डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) परियोजनाएं 10,000+**
    - **1,500+ सब्जी बागान लगाए गए**

    - **जल संसाधन सहयोग**
    - ➢ 400+तालाब
    - ➢ 800+ नहर
    - ➢ 1,100+ निजी स्नानगर, एवम् शौचालयो का निर्माण |

- **चिकित्सीय हस्तक्षेप**
    - 20 नॉट अलोन सेंटर (स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र)
    - 90,000+ परिवारो तक दवाइयों की किट पहुंचाई गई।
    - 14,000+ स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को किट प्रदान कि गई।
    - 30,000+ पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर/ सानद्रक
    - ''FOR Millions.. Dal chawal is the oxygen needed to survive.''
      - by Anshu Gupta in The Indian Express

हमारा साथ दें:

- सामग्री सहयोग के रूप में - https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग लिये- goonj.org/donate
- गूँज के लिए फण्ड रेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।

- **पिछली डिग्निटी डायरी** को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

संपर्क करे :

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76

011-26972351/41401216

www.goonj.org

mail@goonj.org